

2071

B.A./B.Sc. (General) Second Semester  
Music (Vocal)  
Paper: Theory  
(In all mediums)

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 45

**NOTE:** Attempt five questions in all, including Question No. IX (Unit-V) which is compulsory and selecting one question each from Unit I - IV.

x-x-x

### **UNIT – I**

- I. Describe various historical developments of North India in modern period. (9)  
II. What is nad? Explain its type and qualities. (9)

### **UNIT – II**

- III. Define the following terms:-  
Aroh-Avroh, Tali-khali, Vibhag (9)  
IV. Explain gun dosh of a gayak. (9)

### **UNIT – III**

- V. Define laya and its types. (9)  
VI. Give life sketch and contributions of Pt. Vishnu Digamber Paluskar. (9)

### **UNIT – IV**

- VII. Write in notation a chota khyal with two taans in any raga from your course. (9)  
VIII. a) Write in notation ektal with description.  
b) Describe Raga kafi. (9)

### **UNIT – V**

- IX. Attempt any nine of the following:-  
a) Define Matra. (30 words)  
b) What is avartan? (30 words)  
c) Write theka of tal kehrwa. (30 words)  
d) Write two contributions of Pt. V.N. Bhatkhande.  
e) Name two books of Pt. V. Digambar Paluskar.  
f) Write Alankar having Re-Dha komal swara.  
g) What is thaat? (30 words)  
h) Name two Thaat.  
i) Swara of Todi Thaat.  
j) Two rules of formation of Thaat.  
k) Two gayan shalies of classical music.  
l) Two artists of classical music.  
m) Gayan samay of Raga Yaman and Kafi. (9×1)

x-x-x

*(Hindi and Punjabi versions enclosed)*

P.T.O.

(2)

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का चयन करें। प्रश्न-9 (भाग-5) अनिवार्य है।

-\*-\*-\*-\*

भाग-1

- आधुनिक काल में उत्तर भारत के विभिन्न ऐतिहासिक विकासों का वर्णन कीजिए।
- नाद क्या है? इसके भेद और विशेषता की व्याख्या कीजिए।

भाग-2

- निम्न वक्तव्यों की व्याख्या कीजिए:-  
आरोह-अवरोह, ताली-खाली, विभाग
- एक गायक का गण दोषों का वर्णन कीजिए।

भाग-3

- लय की परिभाषा लिखिए और प्रकारों का वर्णन कीजिए।
- पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर का जीवन चरित्र और योगदान बताइए।

भाग-4

- अपने पाठ्यक्रम के किसी भी राग में दो तानों के साथ छोटा ख्याल की अंकन पद्धति लिखिए।
- (क) एकताल अंकन पद्धति को विवरण सहित लिखें।  
(ख) राग काफी का वर्णन कीजिए।

भाग-5

- निम्नलिखित में से किन्हीं नौ प्रश्नों का उत्तर दीजिए:-  
(क) मात्रा की परिभाषा लिखिए। (३० शब्द)  
(ख) अवतरण क्या है? (३० शब्द)  
(ग) ताल कहरवा का ठेका लिखिए। (३० शब्द)  
(घ) पंडित वी.एन. भातखंडे के दो योगदान लिखिए।  
(ङ.) पं. वी. दिगंबर पलुस्कर की दो पुस्तकों के नाम लिखिए।  
(च) अलंकार लिखिए जिसमें रे-धा कोमल स्वर हो।  
(छ) थाट क्या है? (३० शब्द)  
(ज) दो थाटों के नाम बताइए।  
(झ) तोड़ी थाट का स्वर।  
(ज) थाट के गठन के दो नियम।  
(ट) शास्त्रीय संगीत की दो गायन शैलियाँ।  
(ठ) शास्त्रीय संगीत के दो कलाकार।  
(ड) राग यमन और काफी का गायन समय।

-\*-\*-\*-\*

(3)

नोट: पृष्ठन नंबर 9 (भाग-5) लाज्जामी है अते भाग (1-4) विंचं इंक-इंक पृष्ठन दी छेण करदे होए, सारिआं विंचं बुल पंज पृष्ठन करो।

-\*-\*-\*-\*

भाग-1

- आपुनिक समें विंच उँतर भारत दे वेंख वेंख इतिहासक घटनावां दा वरणन करो।
- नाद की है? इस दीआं किसमां अते गुणां बन्चे देंसे।

भाग-2

- हेठ लिखीआं स्तरतां परिभास्त करो:-  
अरोह-अवरोह, ताली-खाली, विभाग
- इंक गाइक दे राण खामीआं दी विआधिआ करो।

भाग-3

- लय दी पीछासा लिखे अते इसदे पूकारां दा वरणन करो।
- पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर दा जीवन चरित अते योगदान देंसे।

भाग-4

- आपटे कैरस दे किसे वी राग विच दे तालां दे नाल छेट खाल दी अंकन पंडिती लिखे।
- (उ) इकडाल दी वेरवे नाल अंकन पंडिती लिखे।  
(अ) राग बाढ़ी दा वरणन करो।

भाग-5

- हेठां लिखे पृष्ठनां विंचे कैदी नं पृष्ठनां दे उँतर लिखे:-  
(उ) मात्रा नुं परिभास्त करो। (३० स्थब्द)  
(अ) अवडरण वी है? (३० स्थब्द)  
(इ) ताल कहरवा दा ठेका लिखे। (३० स्थब्द)  
(स) पं. वी.एन. भातखंडे दे दे योगदान लिखे।  
(ह) पं. वी. दिगंबर पलुस्कर दीआं दे वित्तां दे नां।  
(क) अलंकार नुं री-या कैमल सवरा लिखे।  
(ख) थाट वी है? (३० स्थब्द)  
(ग) दे थाटा दे नां दिओ।  
(घ) तोड़ी थाट दा सवर।  
(ङ) थाट दे गठन दे दे नियम।  
(च) सामर्तरी संगीत दीआं दे गायन सैलिआं।  
(छ) सामर्तरी संगीत दे दे बलाकार।  
(ज) राग यमन अते बाढ़ी दा गाइन समां।

-\*-\*-\*-\*